

प्रभु जो तुम्हे हम बताकर के रोये भजन लिरिक्स



प्रभु जो तुम्हे हम,
बताकर के रोये,
बताकर के रोये,
उसे दिल में कब से,
दबा कर के रोये,
प्रभु जो तुम्हें हम,
बताकर के रोये।

तर्ज - मोहब्बत की झूठी।

किसी ने ना समझी,
मेरी बेकरारी,
मिला ना कोई अपना,
दुनिया में सारी,
इसी बेबसी को,
छुपा कर के रोये,
प्रभु जो तुम्हें हम,
बताकर के रोये।

समझ कर मुक़द्दर,
हमारा यही है,
जो तुमने लिखा है,
वो होता सही है,
खुशी में है सबको,
जताकर के रोये,
प्रभु जो तुम्हें हम,
बताकर के रोये।

मोहब्बत है क्या चीज़,
वफ़ा किसको कहते,
नहीं खोज पाओगे,
दुनिया में रहते,
हम ही ऐसे बंधन,
निभा कर के रोये,
प्रभु जो तुम्हें हम,
बताकर के रोये।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



ये दिल की जो बातें,
तुम्हे कह रहे हैं,
है छाले जो नैनो की,
राह बह रहे हैं,
‘पंकज’ तुम्हे जो,
दिखा कर के रोये,
प्रभु जो तुम्हें हम,
बताकर के रोये।

प्रभु जो तुम्हे हम,
बताकर के रोये,
बताकर के रोये,
उसे दिल में कब से,
दबा कर के रोये,
प्रभु जो तुम्हें हम,
बताकर के रोये।

Singer – Sanjay Pareek Ji